हाऊसिंग बोर्ड की ''प्रोजेक्ट मैनेजर'' भर्ती परीक्षा में नकल करवाने वाला गिरोह पकड़ा

करणी विहार क्षेत्र स्थित अग्रिमा ऑनलाइन टेस्टिंग सेंटर पर पुलिस की कार्रवाई, दो आरोपी प्रदीप कुमार और चेतराम मीणा गिरफ्तार

- आरोपियों से प्रश्न पत्र स्कैन करने वाली डिवाइस लगे हुए दो कम्प्यूटर भी बरामद
- परीक्षा में नकल करवाने के बदले परीक्षार्थी से की जा रही थी 15 लाख रु. की डील
- गिरफ्तार आरोपी अग्रिमा ऑनलाइन टेस्टिंग सेंटर का मालिक और उसके साथी पूर्व में भी हरियाणा में परीक्षा में नकल करवाते गिरफ्तार हो चुके
- कम्प्यूटर में लगी डिवाइस प्रश्नपत्र स्कैन करती थी, जिसके आधार पर बदमाश उत्तरों की पर्ची तैयार करते

जयपुर पुलिस की स्पेशल टीम ने हाउसिंग बोर्ड ''प्रोजेक्ट मैनेजर'' की ऑनलाइन भर्ती परीक्षा में नकल करवाने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर पुलिस की स्पेशल टीम ने हाउसिंग बोर्ड ''प्रोजेक्ट मैनेजर'' की ऑनलाइन परीक्षा में नकल करवाने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा अन्य संदिग्धों से पूछताछ चल रही है। पुलिस ने आरोपियों के पास से ऑनलाइन परीक्षा में नकल में काम आने वाले अतिरिक्त डिवाइस लगे हुए दो डेस्कटॉप बरामद किए है। गिरफ्तार आरोपी अग्रिमा ऑनलाइन टेस्टिंग सेंटर के मालिक और उसके साथी पूर्व में भी हरियाणा में परीक्षा में नकल करवाते हुए गिरफ्तार हो चुके है। इस परीक्षा में नकल के बदले 15 लाख रु. की डील की जा रही थी। हालांकि पुलिस का कहना है कि पुलिस की छापेमारी और एक कम्प्यूटर कम्प्यूटर लॉक होने के कारण गिरोह नकल करवाने में असफल रहा। जबकि दूसरे कम्प्यूटर पर कोई परीक्षार्थी बैठा हुआ नहीं मिला।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि करणी विहार क्षेत्र के अग्रिमा ऑनलाइन टेस्टिंग सेंटर पर हाउसिंग बोर्ड प्रोजेक्ट मैनेजर की ऑनलाइन परीक्षा में नकल कराने वाले गिरोह के प्रदीप कुमार निवासी अटेली महेंद्रगढ़ (हरियाणा) और चेतराम मीणा निवासी रैणी (अलवर) को गिरफ्तार किया है। बदमाशों के पास से अतिरिक्त डिवाइस लगे हुये दो डेस्कटॉप बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपित प्रदीप यादव से पूछताछ सामने आया कि उसने और उसके साथी अमित यादव ने अग्रिमा ऑनलाइन टेस्टिंग सेंटर 65 हजार रुपये में किराये पर लिया। उसने साहिल को अग्रिमा ऑनलाईन टेस्टिंग सेन्टर पर हाउसिंग बोर्ड प्रोजेक्ट मैनेजर परीक्षा में आईटी की ड्यूटी लगाई थी। जो परीक्षा केन्द्र पर कही भी आ-जा सकता था। जिससे परीक्षार्थी तक अतिरिक्त डिवाइस लगी डेस्कटॉप को लगाने की व्यवस्था करता था। अतिरिक्त डिवाइस ऑनलाईन परीक्षा प्रश्न की कॉपी करके नकल गिरोह वाली टीम को भेजकर तत्पश्चात गिरोह द्वारा प्रश्नों के उत्तर की पर्ची तैयार कर परीक्षार्थी तक पहुंचाते। साहिल ही अतिरिक्त डिवाइस लगे हुये डेस्कटॉप बाहर से आई-टी एक्सपर्ट से तैयार करवाकर प्रदीप और अमित के माध्यम से सेन्टर के अंदर पहुंचाता था।

आरोपित अमित यादव जो अग्रिमा ऑनलाईन टेस्टिंग सेंटर में उसका पार्टनर है, जो प्रतियोगी परीक्षा के दिन सेंटर में स्टाफ को चाय पिलाने का काम करता है। जिससे वह पूरे सेंटर में कहीं पर भी घूम सकता है। जिससे परीक्षार्थी को बाहर से आयी हुई प्रश्नों के उत्तर की पर्ची पहुंचाने का काम करता। अमित यादव का काम परीक्षा केन्द्र पर मैन पॉवर उपलब्ध करवाने का काम भी था। आरोपित प्रदीप यादव से जानकारी मिली कि संदीप डांगी जो कि सेन्टर में पर्यवेक्षक पवन यादव के बिना फोटो वाली आईडी कार्ड से ड्यूटी कर रहा था। जिन अभ्यर्थियों को पर्ची देनी है उसकी सीट के बारे में साहिल व अन्य पर्ची देने वाले को बताता।

प्रदीप यादव ने बताया कि राजेश यादव को उन्होंने अग्रिमा सेन्टर की परीक्षा ड्यूटी में इलेक्ट्रिशियन का काम करने के लिये सेंटर में ड्यूटी लगा रखी थी। जिसके कारण सेन्टर के अन्दर बाहर आ जा सके। गिरफ्तार आरोपित चेतराम मीणा ने बताया कि लोकेश मीणा निवासी अलवर से उसने पेपर हल करवाने के 15 लाख रुपये में तय हुई थी। जिसमें आधे पैसे परीक्षा के खत्म होने के बाद तथा आधे पैसे चयनित होने के बाद देने थे।

उन्होंने बताया कि अग्रिमा सेन्टर की सीट पर जाकर डेस्कटॉप चेंन्ज करने के लिए वहां के स्टाफ को बोलना, तब उसके पास एक आईटी सेल का स्टाफ आया, जिसने उसका डेस्कटॉप चेंन्ज किया और अतिरिक्त डिवाइस लगी हुई डेस्कटॉप लगा दी। परन्तु जैसे ही अतिरिक्त डिवाईस चालू हुई तो कंप्यूटर लॉक हो गया और उसकी सीट भी बदल दी गयी। कम्प्यूटर को डीओआईटी एक्सपर्ट से चैक कराया तो कम्प्यूटर में अतिरिक्त डिवाइस लगी होना पाया गया। जिससे उसका प्रश्न-पत्र स्कैन किया जा सकता था। पुलिस के आने के कारण व कंप्यूटर लॉक हो जाने के कारण नकल करने में असफल रहा। इधर दूसरी आवंटित सीट पर कंप्यूटर लगा मिला, जिसकी भी डीओआईटी एक्सपर्ट से चेक करवाया तो उस कंप्यूटर में अतिरिक्त डिवाइस लगी होना पाया गया। परन्तु वहॉ कोई परीक्षार्थी नहीं बैठा था। गिरफ्तार आरोपियों से धोखाधड़ी सहित वारदात में शरीक आरोपियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

शहर को समस्या मुक्त करने का एक्शन प्लान पेश किया

- राज्य सरकार की ओर से रिपोर्ट पेश करने के बाद न्यायमित्र अधिवक्ता विमल चौधरी व अधिवक्ता योगेश टेलर ने कहा कि सरकार ने कागजों में शहर को दुबई बना दिया है, लेकिन वास्तव में धरातल पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है।

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट में राज्य सरकार की ओर से शहर को गंदगी, ट्रैफिक जाम, और अतिक्रमण आदि से मुक्त करने के संबंध में किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए एक्शन प्लान पेश किया गया। जिसे रिकॉर्ड पर लेते हुए अदालत ने मामले की सुनवाई दो सप्ताह बाद रखी है। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश प्रकरण में लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अदालती आदेश की पालना में एक्शन प्लान पेश किया गया। जिसमें कहा गया कि देश में पहली बार जयपुर पुलिस की ट्रैफिक बाइक पर नाइट विजन लेजर स्पीड सिस्टम स्थापित किया गया है। इस नाइट हॉक से तेज गति से वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। इसी तरह ई चालान डिवाइस से चालान कर ई-कोर्ट के माध्यम से उनका ऑनलाइन निस्तारण किया जा रहा है। वाहन दुर्घटनाओं में कमी के लिए रिफ्लेक्टर नहीं तो वाहन नहीं अभियान चलाया जा रहा है। वहीं शहर के 24 चौराहों को आदर्श चौराहा व 24 मार्गों को सुगम पथ के रूप में चयन कर यहां यातायात सुगम करने के लिए कार्रवाई की गई है। इसके अलावा सड़क पर अवैध कट को बंद कर वहां रिफ्लेक्टिव जर्सी बेरिकेट्स लगाए गए हैं। यातायात शिकायत के लिए अत्याधुनिक नियंत्रण कक्ष स्थापित कर हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि शहर के बीच बहने वाला नाला व्यवस्थित नदी व ग्रीन बेल्ट में परिवर्तित हुआ है। जिसका उपयोग मनोरंजन स्थल के रूप में हो रहा है। वहीं कचरा गाहों के कचरा निस्तारण के लिए ठेका दिया जा चुका है।

रिपोर्ट में बताया गया कि देहलावास एसटीपी पर 170 एमएलडी सीवरेज प्राप्त होने के कारण अतिरिक्त सीवरेज के लिए 90 एमएलडी क्षमता का अतिरिक्त सीवरेज प्लांट का निर्माण व मौजूदा का अपग्रेडेशन किया जा रहा है। इसी तरह ब्रहमपुरी व जयसिंह पुरा खोर में भी दो अतिरिक्त प्लांट बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा कचरे से बिजली उत्पादन के लिए प्लांट की स्थापना का काम शुरू हो चुका है। राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि शहर में गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कैरिंग चार्ज वसूली जा रहा है। बीते एक अप्रैल से 31 अप्रैल तक कैरिंग चार्ज के रूप में 30 लाख 84 हजार से अधिक राशि वसूली गई है। इसके साथ ही गंदगी व अन्य शिकायतों के लिए कॉल सेंटर स्थापित किया गया है। वहीं शहर में रोड स्वीपर मशीन से सफाई की जा रही है। जबकि सफाईकर्मियों के जरिए सफाई करवाकर डोर टू डोर कचरा उठाया जा रहा है। राज्य सरकार की ओर से रिपोर्ट में बताया गया की सफाई कर्मियों को सीवरेज मेन हॉल में नहीं उतरने के आदेश दिए गए हैं और इनमें सुपर सकर मशीन से सफाई की जा रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि अतिक्रमणों पर कार्रवाई कर उन्हें हटाया जा रहा है और ट्रैफिक सुधार के लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं। राज्य सरकार की ओर से रिपोर्ट पेश करने के बाद न्यायमित्र अधिवक्ता विमल चौधरी व अधिवक्ता योगेश टेलर ने कहा कि सरकार ने कागजों में शहर को दुबई बना दिया है, लेकिन वास्तव में धरातल पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है।

नदी से नदी जोड़ों अभियान के लिए जल यात्रा पहुंची कालख बांध

- कालख बांध में यमुना का जल विसर्जित कर बांध को बांडी नदी के द्वारा यमुना जल से भरने का लिया संकल्प

जयपुर। नदी से नदी जोड़ो अभियान के तहत राजस्थान यूनिवर्सिटी के लाइफ लांग लर्निंग विभाग के डायरेक्टर प्रो. प्रकाश शर्मा ने एक अनूठी योजना शुरू की है। योजना के तहत बांडी नदी में यमुना का पानी लाने हेतु जन जागरण अभियान का आगाज किया। इसकी शुरूआत 3 सितंबर से बांडी नदी में यमुना का पानी लाने का प्रण कर यात्रा की। शुरूआत रूंडल गांव से की गई। 8 दिन की यात्रा के दौरान बांडी नदी के किनारे-किनारे हजारों कार्यकर्ताओं व गांव के लोगों को एकजुट किया गया। यात्रा का अंतिम पड़ाव कालख बांध पर हुआ। 85 किमी यात्रा के बाद रविवार को बांध में यमुना का जल विसर्जित कर बांध को बांडी नदी के द्वारा यमुना के जल से भरने का प्रण लिया गया।

प्रो. प्रकाश शर्मा ने कहा कि जयपुर ग्रामीण राजस्थान की राजधानी के तलहटी में है उसके बावजूद सरकारों की अनदेखी के कारण किसानों को भारी सुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। महिलाओं को उनका आधा समय पीने के पानी तथा पशुओं को पानी पिलाने के इंतजाम में ही बीत जाता है। बालिकाएं अपने मूलभूत अधिकार उच्च शिक्षा जैसे अवसरों से वंचित हो जाती हैं। राजनीतिक पार्टियों ने 2018 के विधानसभा चुनाव से पहले अपने घोषणा पत्र में यमुना का जल बांडी नदी में लाने का संकल्प किया था लेकिन 5 साल गुजारने के बाद भी इस और कोई ध्यान नहीं दिया गया। इससे एक बहुत बड़ा वर्ग खासा नाराज है। इस अवसर पर बांडी नदी बचाओ संघर्ष समिति के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ताओं के साथ डॉ महावीर शास्त्री, नानूराम निठारवाल, पेमाराम सेपट मालीराम मीणा समेत सैकड़ो की संख्या में पंचायत राज के प्रतिनिधि गण एवं हजारों की संख्या में किसान एवं महिलाएं उपस्थित थीं।। सभी ने यह संकल्प पारित किया जब तक बांडी नदी में यमुना का जल प्रभावित नहीं किया जाएगा तब तक चैन से नहीं बैठेंगे। बांडी नदी में यमुना का जल प्रवाहित करने से कालक बंध भरा जा सकेगा जिससे जयपुर ग्रामीण के सैकड़ो गांव में सिंचाई और पीने के पानी की व्यवस्था हो सकेगी। सर्वविदित है कि वर्ष 2016 में जिला परिषद की साधारण सभा ने बाडी में यमुना जल लाने हेतु साधारण सभा में संकल्प पारित कर सरकार को भेजा था लेकिन सरकार के चेहरे पर शिकन तक नहीं आई। वक्ताओं ने आरोप लगाया की सरकार हजारों करोड रुपए जनता जल मिशन पर खर्च कर चुकी है लेकिन एक भी गांव में पेयजल की सुचारू रूप से सुविधा नहीं है। अगर यह पैसा पानी के प्राकृतिक स्त्रोतों पर लगाया होता तो आज क्षेत्र के किसानों को यह दिन देखना नहीं पड़ता। प्रोफेसर शर्मा ने कहा कि सरकार को मुफ्त की बात बंद करके अगर आधारभूत संरचना में जिसमें पानी की व्यवस्था विशेष रूप से शामिल है पर खर्च करें तो टिकाऊ और आनंदमय विकास हो सकता है।

ई.आर.सी.पी. कांग्रेस के चुनावी कैंपेन का मुख्य मुद्दा होगा

ज्योति मिर्धा के भाजपा में जाने के बाद कांग्रेस कर सकती है आरएलपी से गठबंधन

जयपुर, (का.प्र.)। कांग्रेस विधानसभा चुनावों में ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी कर रही है। यह मुद्दा पूर्वी राजस्थान के लोगों का भावनात्मक मुद्दा है और कांग्रेस इस मुद्दे को बनाकर भाजपा पर हमलावर रुख अपनाना चाहती है। इसी के साथ कांग्रेस की पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा के भाजपा में जाने के बाद अब कांग्रेस को उस क्षेत्र में गठबंधन की जरूरत महसूस होने लगी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इशारा भी कर दिया है कि आने वाले समय में आरएलपी से कांग्रेस का समझौता भी हो सकता है।

डोटासरा कैंपेन कमिटी के अध्यक्ष गोविंद मेघवाल और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मौजूदगी में हुई कांग्रेस कैंपने कमेटी की बैठक में चुनाव अभियान का रोडमैप तय किया गया है। टिकटों से पहले और टिकटों की घोषणा के बाद अलग अलग कैंपेन चलाने का फैसला किया है।

डोटासरा ने बैठक को लेकर कहा कि कांग्रेस वॉर रूम मे कैंपेन कमेटी की बैठक में यह तय हुआ है कि ईआरसीपी को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया जाए। इसके लिए ईआरसीपी वाले 13 जिलों में पांच दिन की यात्रा निकालने का फैसला किया गया है। सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में लाभार्थी सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। दरअसल आरसीपी का असर पूर्वी राजस्थान के 13 से ज्यादा जिलों में पड़ सकता है। इन जिलों में अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, दौसा, जयपुर, अजमेर, टोंक, बूंदी, कोटा, बारां और झालावाड़ शामिल हैं। दरअसल यही वे जिले हैं जहां सचिन पायलट का गढ़ माना जाता है। ऐसे में कांग्रेस अच्छी तरह से जानती है कि इस भावनात्मक मुद्दे से लोगों को जोड़कर एक बार फिर वोट हासिल किया जा सकते हैं। कैंपेन कमेटी की बैठक में सबकी राय जानी है। सब एक रोडमेप बनाएंगे और हम जल्दी एक-दो दिन में हमारी कैंपेनिंग की घोषणा करेंगे। ईआरसीपी के 13 जिलों में हम इसी महीने पांच दिन की यात्रा निकालेंगे और इन 13 जिलों के लोगों को बताएंगे। केंद्र को मजबूर करेंगे कि नहर हमारा हक है, इसे लेकर रहेंगे। ईआरसीपी के लिए के लिए हमारी सरकार ने बजट दिया है, इसके कामों का शिलान्यास भी हम करेंगे। हम बीजेपी और केंद्र सरकार को एक्सपोज करेंगे कि वसुंधरा राजे के राज में बनाए ईआरसीपी प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा नहीं दिया गया।

चुनाव अभियान को प्रोफेशनल एजेंसी की मदद से धारदार और आक्रामक बनाने की रणनीति पर चर्चा हुई है। केंद्र सरकार को घेरने वाले मुद्दे छांटकर जवाबी हमला करने की रणनीति तैयार की गई है। कमेटी की बैठक में मौजूद नेताओं ने इस बात पर राय दी कि योजनाओं के प्रचार प्रचार के अलावा केंद्र सरकार और बीजेपी की नीतियों पर धारदार हमले किकए जाने चाहिए।

जिंदा बम से जुड़े प्रकरण में आईएएस जोगाराम के हुए बयान

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर बम ब्लास्ट मामले की विशेष अदालत में वर्ष 2008 में हुए जयपुर सीरियल बम कांड के दौरान जिंदा मिले बम के मामले में आईएएस जोगाराम के बयान दर्ज हुए। जोगाराम ने बतौर कलेक्टर रहते प्रकरण में विस्फोटक अधिनियम के तहत अभियोजन स्वीकृति दी थी। जानकारी के अनुसार जोगाराम ने अपने बयानों में कहा कि उन्होंने पत्रावली का अवलोकन कर नियमानुसार प्रकरण में मुकदमा चलाने की अनुमति दी थी।

गौरतलब है कि 13 मई 2008 को शहर की चारदीवारी के भीतर स्थित बाजारों में सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे। जिसमें दर्जनों लोगों की मौत के साथ ही कई लोग घायल हुए थे। वहीं इस दौरान एक जगह से बम निरोधक दस्ते ने जिंदा बम भी बरामद किया था। प्रकरण में बम धमाकों के मामले में सुनवाई करते हुए विशेष न्यायालय ने मोहम्मद सैफ और सरवर आजमी सहित अन्य को आरोपी मानते हुए फांसी की सजा सुनाई थी।

बच्छ बारस पर किया गाय-बछड़े का पूजन

जयपुर । भाद्रपद कृष्ण पक्ष द्वादशी सोमवार को गोवत्स द्वादशी (बच्छ बारस) के रूप में मनाई गई। पुत्र की सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना के साथ महिलाओं ने गाय और बछड़े की पूजा की। व्रत रखकर महिलाओं ने अकुंरित मूंग, मोठ, बाजरा गाय और बछडे को खिलाया। महिलाओं ने बच्छ बारस की कहानी भी सुनी। म्हारा कानूडे री लाज राखजे गऊ मैय्या समेत कई गीत गाए। शाम को आहार में भी यही अन्न ग्रहण किया गया। ज्योतिषाचार्य पंडित महेन्द्र जोशी ने बताया कि बच्छ बारस पर्व मनाने के पीछे मान्यता है कि इस दिन श्रीकृष्ण पहली बार गाय चराने घर से बाहर निकले थे। यह माता यशोदा और पुत्र कृष्ण के बीच प्रेम के जीवंत उदाहरण का प्रतीक पर्व है। गोशालाओं में बड़ी संख्या में महिलाओं ने सामूहिक रूप से गोवंश की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। गायों को तिलक लगाकर हरी घास, गुड़ खिलाया। सांगानेर की पिंजरापोल गोशाला, दुर्गापुरा की गोशाला में मेले सा माहौल दिखा।

आरपीए में हितधारकों की बैठक कल

जयपुर । राजस्थान मिशन- 2030 के तहत पुलिस का 'विजन दस्तावेज-2030' में सुझाव के लिए 13 सितम्बर को शाम 4 से 6 बजे तक राजस्थान पुलिस अकादमी में हितधारकों, प्रबुद्धजनों, विषय-विशेषज्ञों के साथ राज्य स्तरीय परामर्श बैठक का आयोजन किया जा रहा है। पुलिस महानिदेशक एसीआरबी साइबर क्राइम एवं तकनीकी सेवाएं एवं अध्यक्ष राज्य स्तरीय प्रोग्राम मॉनिटरिंग यूनिट डॉ. रविप्रकाश मेहरडा की अध्यक्षता में सोमवार को पुलिस मुख्यालय में आयोजित बैठक में यह जानकारी दी गयी। डॉ. मेहरड़ा ने बताया कि बैठक के आयोजन के लिए 5 कमेटियों का गठन किया गया है। हितधाराकों का चयन, सूचना एवं आमंत्रण कमेटी की अध्यक्षता अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कम्यूनिटी पुलिसिंग संजीव कुमार नार्जरी करेंगे। मंच संचालन व सजावट सें संबंधित कमेटी की अध्यक्षता अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक तकनीकी सेवाएं वी. के. सिंह करेंगे। मीडिया प्रबन्धन कमेटी की अध्यक्षता पुलिस महानिरीक्षक अपराध शाखा प्रफुल कुमार करेंगे।

पुष्य नक्षत्र में किया गणेशजी का अभिषेक

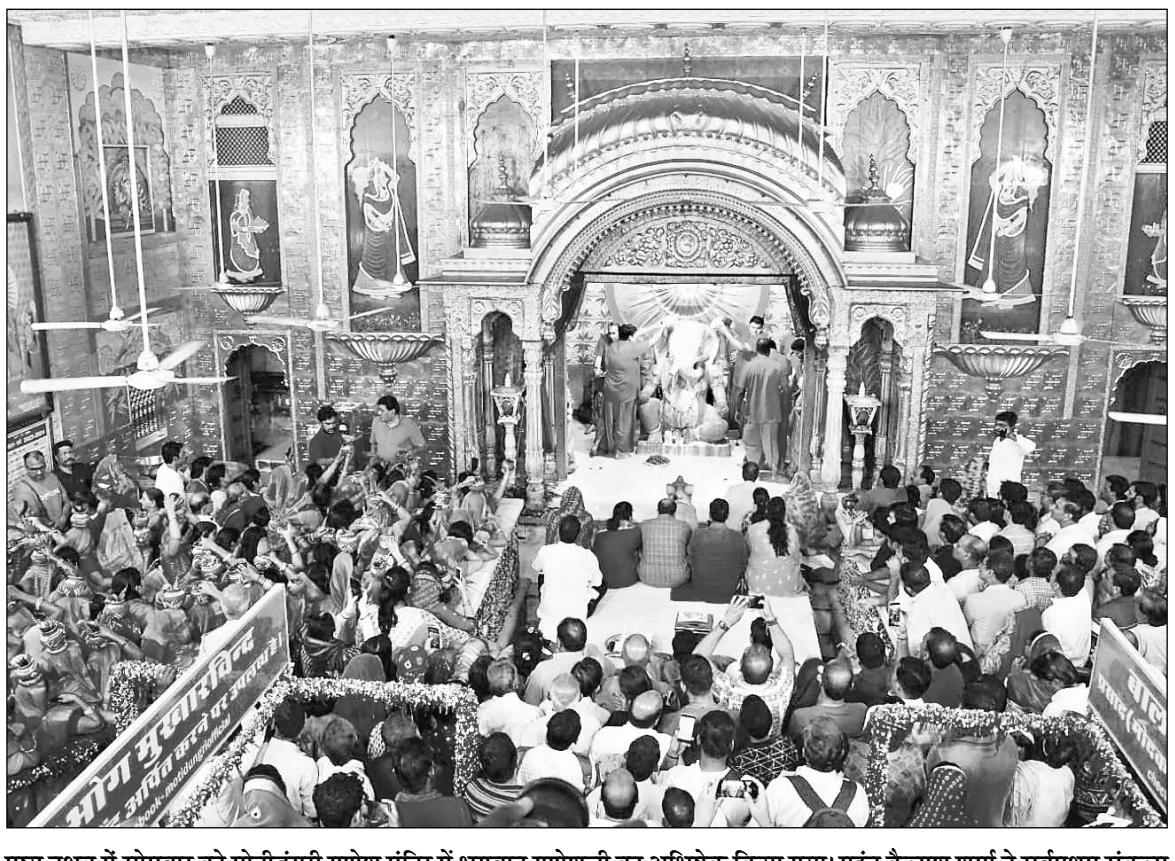

पुष्य नक्षत्र में सोमवार को मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में भगवान गणेशजी का अभिषेक किया गया। महंत कैलाश शर्मा ने सर्वप्रथम संकल्प लिया गया। तत्पश्चता 251 किलो दूध, 25 किलो बूरा, 50 किलो दही, 11 किलो शहद और 11 किलो घी से तैयार पंचामृत से अभिषेक के बाद गुलाब जल और केवड़ा जल से अभिषेक किया गया। इस मौके धर्म सिंह सर्किल से मोती डूंगरी गणेश मंदिर तक कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें 1100 महिलाओं ने हिस्सा लिया।

लाखों की नकदी-जेवर लेकर ड्राइवर हुआ फरार

जयपुर। आदर्श नगर थाना इलाके में ड्राइवर अपने ही मालिक की आंखों में धूल झोंक लाखों की नकदी व जेवरात लेकर फरार हो गया। मामले की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार फ्रन्टियर कॉलोनी निवासी बलदेव नागपाल का खोले के हनुमान जी के पास हेडिक्राफ्ट का शोरूम है। शोरूम सामान लाने -ले जाने के लिए गाड़ी पर ड्राईवर रखा हुआ था। 9 सितम्बर को घर पर कोई नहीं था। तभी अर्जुन नेपाली ने अपने दोस्त के साथ मिलकर अलमारी में रखे तीन लाख रुपए नकद,एक सोने की रिंग,एक ब्रासलेट व बच्चों के गुल्ले से चालीस हजार रुपए निकाल कर फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

सतीशचंद्र अग्रवाल मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट और राजस्थान उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन जयपुर की ओर से स्व. सतीशचंद्र अग्रवाल की 26वीं पुण्यतिथि पर सोमवार को रक्तदान शिविर लगाया गया। जहां सुबह 10 से शाम 5 बजे से 70 यूनिट से ज्यादा रक्तदान हुआ। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष महेन्द्र शांडिल्य, महासचिव बलराम वशिष्ठ और ट्रस्टी शशांक अग्रवाल समेत कई पदाधिकारी मौजूद थे।